य एषु सुप्तेषु जागर्ति | झुंझुनूं, शनिवार, 21 सितम्बर, 2024 | आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी संवत् 2081 — राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

आज के अंक के साथ me.next... आपके उज्ज्वल भविष्य का भरोसेमंद साथी

जसप्रीत बुमराह 400 विकेट लेने वाले छठे भारतीय तेज गेंदबाज बने

भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका की गवाह बनेगी मोदी की अमरीका यात्रा

सबसे अधिक काम करने वालों में दुनियाभर में दूसरे नंबर पर भारतीय
@बिजनेस&वेल्थ

झुंझुनूं पत्रिका

प्राइम

परेशान महिलाओं ने टंकी की सीढ़ियों पर बैठकर जताया विरोध
पढ़ें@पेज 20

शनिवार, 21 सितम्बर 2024

सीरी के वैज्ञानिकों ने विकसित किए दो उपकरण

एआई-सक्षम दूध घनत्व प्रणाली और एआई-सक्षम क्षीर स्कैनर प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पिलानी. केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के वैज्ञानिकों की ओर से तैयार नवीनतम दुग्ध प्रौद्योगिकियों एआई-सक्षम दूध घनत्व प्रणाली और एआई-सक्षम क्षीर स्कैनर को सीरी में आयोजित एक कार्यक्रम में कंपनी को हस्तांतरण कर दिया गया है। संबंधित कंपनी जल्द ही इनका उत्पादन प्रारंभ कर इन उपकरणों को बाजार में उपलब्ध करवाएगी। एनपीएल की निदेशक प्रो. अंचता वेणु गोपाल तथा सीरी के निदेशक डॉ. पी.सी. पंचारिया की उपस्थिति में इन्हें हस्तांतरित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सटीकता के साथ डेयरी गुणवत्ता नियंत्रण को बेहतर बनाने की दिशा में यह एक क्रांतिकारी कदम है। साथ ही दुग्ध प्रौद्योगिकी में नवाचार के साथ-साथ भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में डा. मनीष मैथ्यू (प्रमुख, टीबीडी), अशोक चौहान (प्रमुख, आर एंड डी फेसिलिटीज़), साई कृष्ण वड्डादि (प्रभारी वैज्ञानिक, जयपुर परिसर), प्रमोद तंवर, प्रमुख, पीएमई, डॉ. विजय चटर्जी, जेएस शरण, जयप्रकाश इंदौरा आदि शामिल हुए।

पिलानी सीरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते थे

अत्याधुनिक प्रणालियां

सक्षम दूध घनत्व प्रणाली और सक्षम क्षीर स्कैनर दो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां हैं, जिन्हें डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता को सुधारने के लिए विकसित किया गया है। सक्षम दूध घनत्व प्रणाली दूध की घनत्व का सटीक मापन करती है। इससे दूध की शुद्धता और गुणवत्ता का आकलन करना आसान हो जाता है। सक्षम क्षीर स्कैनर दूध में मिलावट की पहचान करने के लिए विकसित किया गया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके तुरंत मिलावट का पता लगाता है। यह दोनों तकनीक डेयरी उद्योग को उन्नत गुणवत्ता नियंत्रण समाधान प्रदान करती हैं, जिससे दूध की शुद्धता सुनिश्चित होती है।